DAINIK BHASKAR, Mumbai, 2.9.2023
Page No. 2, Size:(15.62)cms X (7.12)cms.

परियोजनाः भारत में पहली बार जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली का हो रहा इस्तेमाल, जापानी शिंकानसेन में किए जाते हैं उपयोग

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर सूरत में ट्रैक बेड का निर्माण शुरू

भास्कर न्यूज | मुंबई

रेलवे की महात्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन परियोजना का काम जोरों से चल रहा है। मुंबई-अहमदाबाद के बीच रेल कॉरिडोर पर स्टेशनों के निर्माण के साथ-साथ अन्य कार्य भी तेज गति से किए जा रहे हैं। इस परियोजना के तहत पहले गिट्टी रहित ट्रैक का निर्माण शुरू हो चुका है। सूरत से शुरू हुए इस ट्रैक को कंक्रीट बेड से बनाया जा रहा है। इस तरह के ट्रैक बेड जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाते हैं। भारत में पहली बार जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है।

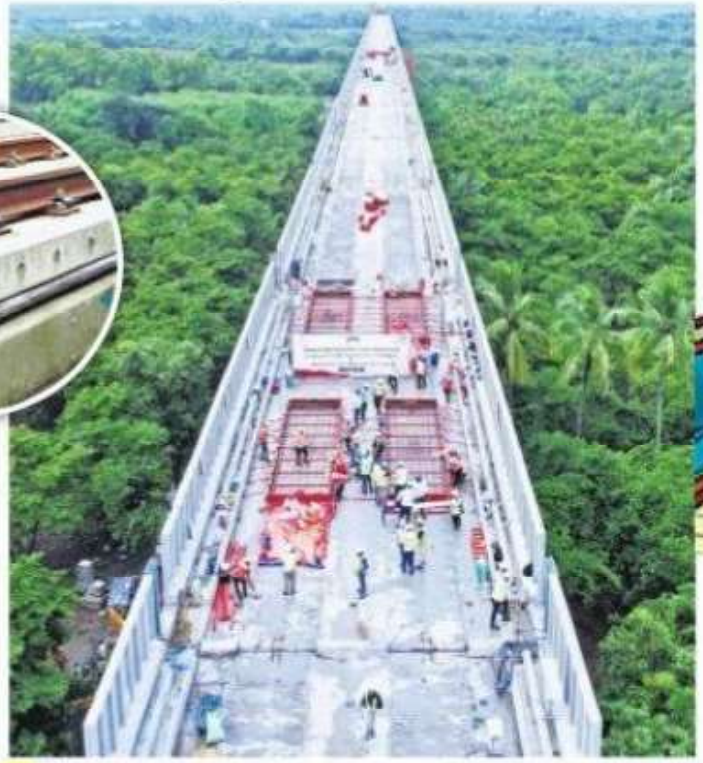

ऐसा होता है बुलेट ट्रेन का ट्रैक सिस्टम

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के ट्रैक सिस्टम में एक प्री-कास्ट ट्रैक स्लैब होता है, जिस पर फास्टनिंग डिवाइस और रेल फिट किए जाते हैं। यह स्लैब आरसी ट्रैक बेड पर टिका होता है, जिसकी मोटाई लगभग 300 मि.मी. होती है और इसे वायाडक्ट टॉप पर अप और डाउन ट्रैक लाइनों के लिए साइट पर बनाया जाता है। आरसी ट्रैक बेड की चौड़ाई 2420 मि.मी. होती है। आरसी एंकर का उपयोग ट्रैक स्लैब पर लोंगीटूडिनल व लेटरल बाधाओं को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। आरसी एंकर का आकार 520 मि.मी. व्यास और ऊंचाई 260 मि.मी. होती है। इनका निर्माण केंद्र से केंद्र तक लगभग 5 मीटर की दूरी पर किया जाता है।

जापान से आए 14,000 मीट्रिक टन रेल्स

गुजरात राज्य के लिए ट्रैक कार्यों के अनुबंध दिए जा चुके हैं तथा ट्रैक कार्यों के लिए सामग्री की खरीद अग्रिम चरण में है। जापान से 14000 मीट्रिक टन से अधिक जेआईएस रेल्स और ट्रैक स्लैब कास्टिंग के लिए 50 मोल्ड पहले ही प्राप्त किए जा चुके हैं। ट्रैक स्लैब का निर्माण डेडिकेटेड कारखानों में किया जाएगा और ऐसे दो कारखाने पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं। ये कारखाने एचएसआर ट्रैक निर्माण के लिए सटीक स्लैब का उत्पादन करने के लिए सबसे परिष्कृत और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और बुनियादी ढांचे से लैस हैं।